कार्यालय, प्राचार्य स्व. राजा वीरेन्द्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय
सरायपाली जिला–महासमुंद (छ.ग.)
WebSite- www.govtcollegesaraipali.ac.in E-Mail- govtcollegesaraipali1971@gmail.com
Phone (Office) – 07725226368 Mobile No- 76940-73733

सरायपाली, दिनांक 29/09/2025

– प्रतिवेदन –

कार्यक्रम का नाम – गाँधी पदयात्रा एवं व्यक्तित्व विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला

संयोजक विभाग – राष्ट्रीय सेवा योजना

कार्यक्रम का उद्देश्य – व्यक्तित्व विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपनी क्षमताओं गुणों और व्यवहार को बेहतर करने का प्रयास करता है। यह एक सतत् प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने अंदर सकारात्मक बदलाव लाता है और अपने व्यक्तित्व को निखारता है इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यक्ति के मूल तत्व से अवगत कराते हुए अच्छे व्यक्तित्व निर्माण के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम का सारांश – आज दिनांक 29/09/2025 को प्राचार्य डॉ. संध्या भोई के निर्देशन में, कार्यक्रम अधिकारी श्री यू. के. बारहा एवं श्रीमती प्राची गुप्ता के मार्गदर्शन में व्यक्तित्व विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्रोत वक्ता के रूप में पंडित विद्याभूषण सतपथी मंचासीन रहे। स्रोत वक्ता द्वारा व्यक्तित्व विकास में व्यक्ति के मूल तत्व, आग्रह, पूर्वाग्रह, दुराग्रह एवं सत्याग्रह के बारे में व्याख्यात्मक जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से श्री पुरुषोत्तम कुमार पटेल (अध्यक्ष-JBS समिति) श्री स्वर्ण सिंह सलूजा (सदस्य JBS समिति) श्री शौकीलाल मनहर, रासबिहारी विशाल, श्री प्रखर अग्रवाल, श्रीमती [illegible] गुप्ता, श्री दिनेश अग्रवाल, डॉ. वर्षा सतपथी, चेतन नायक, महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

उपस्थित छात्र/छात्रा का नाम –

1. हसीना बघेल M.A III sem - P.O.L.I — [signature]
2. पायल साहू M.A III sem. पायल साहू
3. प्रियंका M.A III sem. (Poli Sci) [signature]
4. डिग्रीलाल मिरी MSc III sem [signature]
5. पार्वती राजे BA III year पार्वती राजे
6. हीरालाल BA II Year [signature]

संयोजक

PRINCIPAL
Late Raja Virendra Bahadur Singh
Govt. College Saraipali (C.G.)

न मानदय काटन का कदम उठा लिया। के स्वयंसेवक, गणमान्य नागरिक एवं मातृशा

गांधी पदयात्रा एवं व्यक्तित्व विकास पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

नवभारत संवाददाता । सरायपाली।

युवा समाजसेवी पं. विद्याभूषण सतपथी सुपुत्र पं. जयदेव सतपथी(स्वतंत्रता संग्राम सेनानी) के द्वारा विगत 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए गांधी पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान गांधी पदयात्रियों का स्व. राजा वीरेन्द्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय सरायपाली में आगमन हुआ। महाविद्यालय परिवार द्वारा स्वागत के पश्चात प्राचार्य डॉ.संध्या भोई के निर्देशन में, कार्यक्रम अधिकारी यु.के.बरिहा एवं प्राची गुप्ता के मार्गदर्शन में व्यक्तित्व विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्रोत वक्ता कें रूप में पं. विद्या भूषण सतपथी मंचासीन रहे।

कार्यशाला का शुभारंभ मां शारदा, महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री एवं छत्तीसगढ़िया बापू पं. जयदेव सतपथी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्राचार्य डॉ भोई ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि गांधी जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए व्यक्तित्व निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि स्वर्ण सिंह सलूजा (सदस्य -जन भागीदारी समिति) ने अपने उद्बोधन में गांधी जी के तीन स्तंभ -सत्य अहिंसा और सत्याग्रह के बारे में बताया। स्रोत वक्ता पं. सतपथी के द्वारा व्यक्तित्व विकास में व्यक्ति के मूल तत्व, आग्रह, पूर्वाग्रह, दुराग्रह एवं सत्याग्रह के बारे में व्याख्यात्मक जानकारी दी गई। उन्होंने जीवन में हर परिस्थिति में घुल मिल जाना एवं समायोजन को सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व बताया। व्यक्तित्व विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपनी क्षमताओं गुणों और व्यवहार को बेहतर बनाने का प्रयास करता है। इस कार्यशाला में चंद्र कुमार पटेल (अध्यक्ष-महाविद्यालय जन भागीदारी समिति), शौकीलाल मनहर, रासबिहारी विशाल, प्रखर अग्रवाल, आदर्श गुप्ता, दिनेश अग्रवाल, डॉ वर्षा सतपथी, चेतन नायक, महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन पीतांबर बाघ द्वारा एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम अधिकारी श्री बरिहा ने किया।

(संयोजक)

PRINCIPAL
Late Raja Virendra Bahadur Singh
Govt. College Saraipali (C.G.)

ंधी पदयात्रा एवं व्यक्तित्व विकास पर एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित

सरायपाली, 5 अक्टूबर (देशबन्धु)। समाजसेवी पं. विद्याभूषण सतपथी के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए गांधी पदयात्रा का आयोजन किया गया। गांधी पदयात्रियों का महाविद्यालय में आगमन हुआ, महाविद्यालय परिवार द्वारा स्वागत अभिनंदन के पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.संध्या भोई के निर्देशन में एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी यु.के.बरिहा एवं प्राची गुप्ता के मार्गदर्शन मेंज्व्यक्तित्व विकास च्पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मां शारदा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री एवं छत्तीसगढ़िया बापू पंडित जयदेव सतपथी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्राचार्य डॉ संध्या भोई ने स्वागत भाषण में कहा कि सत्य ही ईश्वर है, ये शब्द उस महापुरुष के हैं, जिन्होंने पूरी दुनिया को सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। अतः गांधी जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए व्यक्तित्व निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। विद्याभूषण सतपथी द्वारा व्यक्तित्व विकास में व्यक्ति के मूल तत्व, आग्रह, पूर्वाग्रह, दुराग्रह एवं सत्याग्रह के बारे में व्याख्यात्मक जानकारी दी गई। जीवन में हर परिस्थिति में घुल मिल जाना एवं समायोजन को सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व बताया गया। व्यक्तित्व विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपनी क्षमताओं गुणों और व्यवहार को बेहतर बनाने का प्रयास करता है। यह एक सतत् प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने अंदर सकारात्मक बदलाव लाता है और अपने व्यक्तित्व को निखारता है। चंद्र कुमार पटेल (अध्यक्ष-महाविद्यालय जन भागीदारी समिति), स्वर्ण सिंह सलूजा (सदस्य -जन भागीदारी समिति), शौकीलाल मनहर, रासबिहारी विशाल, प्रखर अग्रवाल, आदर्श गुप्ता, दिनेश अग्रवाल,डॉ वर्षा सतपथी, चेतन नायक, महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन पीतांबर बाघ द्वारा एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम अधिकारी यू .के .बरिहा ने किया।

PRINCIPAL